संत थॉमस स्कूल धुर्वा, राँची

सत्र 2020 - 21

कक्षा -5 **(विषय - हिंदी व्याकरण)** **<u>पुस्तक - नवरत्न हिंदी व्याकरण</u>**

<u>पाठ - 7 कारक</u>

1. (क) ब (ख) ब (ग) ब (घ) ब
2. क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रुप से उसका संबंध क्रिया तथा वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ जाना जाता है उसे कारक कहते हैं।
   ख) कारक के आठ भेद होते हैं।
   ग) कर्ता कारक- हमें शब्द के जिस रुप से क्रिया को करने वाले का बोध होता है उसे कर्ता कारक कहते हैं।
   कर्म कारक- कर्ता द्वारा की गई क्रिया का फल जिस पर पड़ता है उसे कर्म कारक कहते हैं।
   घ) कर्ता द्वारा जिसके लिए कोई कार्य किया जाता है या जिसको कुछ दिया जाता है उस संज्ञा या सर्वनाम को संप्रदान कारक करते हैं।
   ङ) करण कारक- क्रिया के करने के साधन को करण कारक कहते हैं। कर्ता जिसकी सहायता से किया करता है उस साधन को करण कारक करते हैं। जैसे:- राम कलम से लिखता है।
   अपादान कारक- जिससे कोई वस्तु अलग होती है वहाँ अपादान कारक होता है। जैसे:- बालक साइकिल से गिरा।
3. क) श्री राम **ने** रावण **को** बाण **से** मारा।
   ख) वह मोटरसाइकिल **से** बाजार गया।
   ग) राजा ब्राह्मण **को** गाय दान **में** देते हैं।
   घ) अर्जुन **ने** मछली **की** आँख **में** निशाना लगाया।
   ङ) यह प्राचीन समय **का** मंदिर है।
   च) वह रिक्शा **से** बाजार गया।
   छ) यह कोयल **का** घोंसला है।
4. क) सुहानी ने खाना खाया।
   ख) मोहन साइकिल से घर गया।
   ग) अध्यापक ने छात्रों को शाबाशी दी।
   घ) पेड़ से पत्ते गिरते हैं।
   ङ) यह आम रमेश को दे दो।
   च) अरे! आप कब आए?
5. क) संबोधन कारक।
   ख) कर्म कारक।
   ग) अपादान कारक।
   घ) करण कारक।
   ङ) संबंध कारक।
   च) अधिकरण कारक।
   छ) अधिकरण कारक।

औपचारिक पत्र

1. विद्यालय में खेल के सामान उपलब्ध कराने की उचित व्यवस्था हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखें।

सेवा में,
प्रधानाचार्य
संत थॉमस स्कूल
धुर्वा, राँची
झारखण्ड।

विषय:- खेल के सामान उपलब्ध कराने के संबंध में।

महाशय,

सविनय निवेदन यह है कि हमारे विद्यालय में खेल सामग्री समाप्त हो गई है। क्रिकेट का सामान टूट-फूट चुका है। उसकी गेंद भी काफी पुरानी हो गई है। वॉलीबॉल और बास्केटबॉल भी खराब हो चुके हैं। खेलों की प्रतियोगिता भी नजदीक है।

अतः आपसे प्रार्थना है कि विद्यालय में खेल का समुचित व्यवस्था करने की कृपा करें।

इस कार्य हेतु मैं सदा आपका आभारी बना रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी
नाम - अनुभव सिंह
कक्षा - 5 (ग)
दिनाँक - 20-12-2020

अनौपचारिक पत्र

1. मित्र को जन्मदिन पर बधाई पत्र।

मकान संख्या 1, गुप्ता विला
धुर्वा, राँची
झारखण्ड।

19 दिसंबर 2020

प्रिय सखी

स्नेह,

मैं और मेरे परिवार के सभी लोग कुशल मंगल हैं। आशा है आप सब भी कुशल होंगे।
मित्र 9 सितंबर को तुम्हारा जन्मदिन था। उसके लिए मेरी और मम्मी-पापा की ओर से तुम्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

वार्षिक परीक्षा नजदीक होने के कारण मैं तुम्हारे जन्मदिन पर नहीं आ सकी। मुझे बताना कि तुमने अपना जन्मदिन कैसे मनाया। चाची जी तथा चाचा जी को मेरा प्रणाम और अनन्या को प्यार।

पत्र का उत्तर शीघ्र देना। मैं तुम्हारे उत्तर का इंतज़ार करूँगी।

तुम्हारी सहेली
शिप्रा